Date :- 01/08/2024

NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of M. A. in Hindi (Sem. III & IV)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 27/07/2024.

The Syllabi of M. A. in Hindi (Third and Fourth Semesters) as per **NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020 (2023 Pattern)** and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2024-25.

Copy of the Syllabi Shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

Sd/-
Chairman,
Board of Studies

To :

1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
2) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
3) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)
(तृतीय सत्र)

NEP 2020 के अनुसार

(शै.सत्र-2024-25 के लिए जून 2024 से लागू)

प्रस्तावना :

विद्यार्थियों को समुचित ज्ञान के साथ-साथ कौशल और अनुभव पर आधारित शिक्षा मिले यह समय की मांग थी। अत: उच्च शिक्षा में कालानुरूप बदलाव अत्यावश्यक था। मूलजी जेठा महाविद्यालय (स्वशासी) ने UGC और महाराष्ट्र शासन के आदेश तथा नियमावली को मद्देनजर रखते हुए NEP-2020 का स्वीकार किया है। जिसके तहत हिंदी विभाग के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने स्नातक स्तर पर नूतन पाठ्यक्रम का ढांचा तैयार किया है। जिसमें...

हिंदी साहित्य की विधाओं के अध्ययन और लोक सहित्य के अध्ययन से यह पाठ्यक्रम ज्ञानवर्धक साबित होगा। काव्य तथा भाषा के इतिहास और सैद्धांतिकी को समझाते हुए उसमें निहित मूल्यों की पहचान करवाना इस पाठ्यक्रम का एक मकसद हैं। हिंदी साहित्य का इतिहास और हिंदी भाषा और भाषा शास्त्र जैसे विषय अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। उसी प्रकार प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के साहित्यिक युगों, काव्य और गद्य शैलियों, लेखकों और उनकी प्रमुख रचनाओं की जानकारी प्रदान करता है। उसी प्रकार हिंदी पत्रकारिता, अनुवाद कला तथा मिडिया लेखन जैसे विषयों के अध्ययन से रोजगारमूलक संभावनाओं को निर्माण करने में सहायक सिद्ध होगा।

Program Specific Outcome PSO (M.A. II Hindi) :

After completion of this course, students are expected to learn/understand the:

PSO No.	PSO
1	हिंदी साहित्य और भाषा के विभिन्न आयामों से अवगत कराना
2	हिंदी साहित्य में निहित मानवीय तथा जीवन मूल्यों का परिचय देना
3	गद्य तथा पद्य से संबंधित विशेष विधाओं एव साहित्यकारों का समुचित मूल्यांकन करना
4	हिंदी भाषा के अध्ययन के माध्यम से हिंदी के व्यावहारिक पक्ष की पहचान करना
5	हिंदी लोक साहित्य के माध्यम से नव प्रेरणा देने की कोशिश करना
6	हिंदी पत्रकारिता, अनुवाद कला तथा मिडिया लेखन जैसे विषयों के अध्ययन से रोजगारमूलक संभावनाओं को निर्माण करना

Multiple Entry and Multiple Exit options:

The multiple entry and exit options with the award of UG certificate/ UG diploma/ or three-year degree depending upon the number of credits secured;

Levels	Qualification Title	Credit Requirements		Semester	Year
		Minimum	Maximum		
4.5	UG Certificate	40	44	2	1
5.0	UG Diploma	80	88	4	2
5.5	Three Year Bachelor's Degree	120	132	6	3
6.0	Bachelor's Degree- Honours **Or** Bachelor's Degree- Honours with Research	160	176	8	4

NEP Autonomous Structure for MA- 2 nd Year HINDI

Semester III

Semester	Core Course	Paper No	Name of Course	No. of Credits	No. of Hours per Week	Total Credits
III	DSC	HIN DSC 611	आधुनिक काव्य-1	4	4	22
		HIN DSC 612	भाषा विज्ञान	4	4	
		HIN DSC 613	हिंदी साहित्य का इतिहास-	4	4	
		HIN DSC 614	कहानी विधा	2	2	
	DSE	HIN DSE 615 (A)	हिंदी पत्रकारिता	4	4	
		HIN DSE 615 (B)	मीडिया लेखन			
	RP	HIN RP 616	Research Project- I	4	8	

Semester IV

Semester	Core Course	Paper No	Name of Course	No. of Credits	No. of Hours Per Week	Total Credits
IV	DSC	HIN DSC 621	लोक साहित्य	4	4	22
		HIN DSC 622	हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि	4	4	
		HIN DSC 623	हिंदी साहित्य का इतिहास-II	4	4	
	DSE	HIN DSE 624 (A)	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	4	
		HIN DSE 624 (B)	अनुवाद विज्ञान			
	RP	HIN 625	Research Project-II	6	12	

तृतीय सत्र
Semester III

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC- 611 आधुनिक काव्य-1

Credit : 4 — अंतर्गत परीक्षा : 40

कुल अंक : 100 — सत्रांत परीक्षा: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1) छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2) महाकाव्य और खंडकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3) भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना 4) छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1) छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित हो पाएंगे 2) महाकाव्य और खंडकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान मिलेगा 3) भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित की जाएगी 4) छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1. **महाकाव्य का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 महाकाव्य का स्वरूप, परिभाषा 1.2 महाकाव्य के तत्त्व 1.3 महाकाव्य विधा की विकासात्मक यात्रा 1.4 महाकाव्य और खंडकाव्य की तुलना	15
Unit II	2. पुस्तक : कामायनी - जयशंकर प्रसाद, प्रकाशन : विक्रम प्रकाशन, नई दिल्ली (श्रद्धा, लज्जा और ईडा सर्ग पर संदर्भ और अध्ययनार्थ प्रश्न पूछे जाएंगे।)	15
Unit III	3. खंडकाव्य का सैद्धांतिक विवेचन 3.1 खंडकाव्य का स्वरूप और परिभाषा 3.2 खंडकाव्य के तत्त्व 3.3 खंडकाव्य की विकासात्मक यात्रा 3.4 खंडकाव्य और महाकाव्य की तुलना	15
Unit IV	4.**पुस्तक : रश्मिरथी** कवि : **रामधारी सिंह दिनकर** प्रकाशक : **लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद** (सभी सर्गों पर संदर्भ व अध्ययनार्थ प्रश्न पूछे जाएंगे)	15
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन,	

	इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • जयशंकर प्रसाद, आ.नंददुलारे वाजपेयी, कमल प्रकाशन,जबलपुर • कामायनी की आलोचना प्रक्रिया, गिरिजा राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • कामायनी प्रेरणा और परिपाक, रमाशंकर तिवारी, ग्रंथक प्रकाशन, कानपूर • कामायनी - एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली • कामायनी परिशीलन, नवल नन्दकिशोर, अनुपम प्रकाशन, पटना • कामायनी विवेचनात्मक अध्ययन - सरोज भारत भूषण • कामायनी की टीका, तारकनाथ बाली, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन, आगरा • कामायनी सटीक, शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली • कामायनी के अध्ययन की समस्याएं, नगेन्द्र, नैशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली • दिनकर की साहित्य दृष्टि, डॉ.सुशीला मिश्र • रामधारी सिंह दिनकर, संपा.डॉ.नगेन्द्र • दिनकर : व्यक्तित्व और कृतित्व, संपा. जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी • दिनकर : सृष्टि और दृष्टि, डॉ.गोपाल कृष्ण कौल

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC- 612 भाषा विज्ञान

Credit : 4 | **अंतर्गत परीक्षा** : 40

कुल अंक : 100 | **सत्रांत परीक्षा**: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों की भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना 2. छात्रों को भाषा विज्ञान के इतिहास और सिद्धांत से परिचित कराना 3. छात्रों को भाषा के भिन्न-भिन्न शाखाओं से परिचित कराना 4. भाषा विज्ञान के अध्ययन के माध्यम से भाषा के विभिन्न अंगों से परिचय प्राप्त करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों की भाषा के प्रति रुचि विकसित होंगी 2. छात्र भाषा विज्ञान के इतिहास और सिद्धांत से परिचित होंगे 3. छात्र भाषा के भिन्न-भिन्न शाखाओं से परिचित होंगे 4.भाषा विज्ञान के अध्ययन के माध्यम से भाषा के विभिन्न अंगों से परिचय प्राप्त होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1 भारत में भाषा विज्ञान के अध्ययन का परंपरागत स्वरूप 1.2 भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं परिभाषाएँ 1.3 भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ- कोश विज्ञान और भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय	15
Unit II	**2.1 स्वन विज्ञान** 2.1.1 स्वन का स्वरूप 2.1.2 स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण 2.1.3 वाग्वयव और उच्चारण प्रक्रिया 2.1.4 स्वरों का स्वरूप और वर्गीकरण 2.1.5 व्यंजनों का स्वरूप वर्गीकरण 2.1.6 स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ **2.2 स्वनिम** 2.2.1 स्वनिम का स्वरूप 2.2.2 स्वनिम का निर्धारण 2.2.3 स्वनिम के भेद	15
Unit III	**3.1 रूप एवं रूपिम विज्ञान** 3.1.1 रूप (पद) का स्वरूप और परिभाषा 3.1.2 संबंध तत्त्व और उसके भेद 3.1.3 रूपिम का स्वरूप 3.1.4 रूपिम के भेद	15

	3.2 वाक्य विज्ञान 3.2.1 वाक्य का स्वरूप और परिभाषा 3.2.2 अभिहितान्वयवाद (पदवाद) और अन्विताभिधानवाद (वाक्यवाद) 3.2.3 वाक्य के भेद	
Unit IV	**4.अर्थ विज्ञान** 4.1 अर्थ की अवधारणा 4.2 शब्द और अर्थ का संबंध 4.3 अर्थ बोध के बाधक तत्व 4.4 अर्थ प्रतीति 4.4 अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ 4.5 अर्थ परिवर्तन के कारण	15
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ.केशवदत्त रूवाली, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा • मुग्धबोध भाषा विज्ञान- डॉ. रामेश्वर दयाल अग्रवाल, साधन प्रकाशन,मेरठ • समाज भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. तेजपाल चौधरी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर • भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली • भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी • भाषा विज्ञान तथा समाज भाषा विज्ञान -डॉ. परदेशी, डॉ.गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन,कानपुर • भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम- डॉ. अम्बादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर • भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर • भाषा विज्ञान एवं हिंदी - डॉ. सुधाकर कलावडे, साहित्य रत्नालय, कानपुर	

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC- 613 हिंदी साहित्य का इतिहास- I

Credit : 4 — **अंतर्गत परीक्षा : 40**

कुल अंक : 100 — **सत्रांत परीक्षा: 60**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों की हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय कराना 2.छात्रों को युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण के औचित्य से परिचित कराना 3.आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी प्रदान कराना 4.हिंदी के आदिकाल और मध्यकाल के कवियों के व्यक्तित्व और रचनाओं से परिचित कराना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित होंगे 2.छात्र युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण के औचित्य से परिचित होंगे 3.आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त होंगी 4.हिंदी के आदिकाल और मध्यकाल के कवियों के व्यक्तित्व और रचनाओं से परिचित होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1. हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण के आधार आदिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव	15
Unit II	2.1 रासो साहित्य परंपरा 2.1.1 रासो शब्द के विभिन्न अर्थ 2.1.2 रासो के प्रकार 2.1.3 पृथ्वीराज रासो की कथ्यगत और शैलीगत विशेषताएँ 2.2 अपभ्रंश, सिध्द, नाथ साहित्य का परिचय और उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय 2.3 गोरखनाथ, विद्यापति और अमीर खुसरों का साहित्यिक परिचय	15
Unit III	**3.भक्तिकाल** 3.1 भक्तिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ 3.2 निर्गुण भक्तिमार्ग के दो भेद- प्रेममार्ग एवं ज्ञानमार्ग स्वरूप और	15

	प्रवृत्तियाँ 3.3 ज्ञानमार्ग के प्रतिनिधि कवि कबीर का साहित्यिक परिचय 3.4 प्रेममार्ग के प्रतिनिधि कवि जायसी का साहित्यिक परिचय 3.5 सगुण भक्तिमार्ग के दो भेद- रामभक्ति शाखा- स्वरूप और प्रवृत्तियाँ तथा उसमें तुलसीदास का स्थान कृष्णभक्ति शाखा- स्वरूप और प्रवृत्तियाँ तथा उसमें सुरदास का स्थान 3.6 कृष्णभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि - रसखान और मीराबाई का साहित्यिक परिचय	
Unit IV	4. रीतिकाल 4.1 रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार 4.2 रीतिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ 4.3 रीतिकालीन प्रवृत्तियाँ 4.4 रीतिबद्ध, रीति सिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय 4.5 रीतितर काव्यधाराओं का स्थूल परिचय - राष्ट्रीय कवि भूषण	15
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल • हिंदी साहित्य की भूमिका : उद्धव विकास - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी • भक्ति काव्य और वर्तमान समय - संपादक रतनकुमार पाण्डेय • हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल • हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वाष्णेय • हिंदी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र • हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र • हिंदी साहित्य का आदिकाल - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा	

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC- 614 कहानी विधा

Credit : 2	**अंतर्गत परीक्षा** : 20
कुल अंक : 50	**सत्रांत परीक्षा**: 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों की भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना 2. छात्रों को भाषा विज्ञान के इतिहास और सिद्धांत से परिचित कराना 3. छात्रों को भाषा के भिन्न-भिन्न शाखाओं से परिचित कराना 4. भाषा विज्ञान के अध्ययन के माध्यम से भाषा के विभिन्न अंगों से परिचय प्राप्त करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्रों को कहानी के तात्विक स्वरूप से परिचित किया जाएगा 2.छात्रों को कहानी के प्रकार तथा विकास यात्रा से अवगत कराया जाएगा 3.छात्रों को समाज की विभिन्न समस्याओं से ज्ञात कराया जाएगा 4.छात्रों में मानवीयता का भाव तथा मूल्य संवर्धन की दृष्टि विकसित की जाएगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1 लेखिका चित्रा मुदगल का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व 1.2 कहानी का सैद्धांतिक पक्ष 1.2.1 कहानी की परिभाषा और स्वरूप 1.2.2 कहानी के तत्त्व 1.2.3 कहानी के प्रकार 1.2.4 कहानी की विकास यात्रा 1.2.5 कहानी और लघुकथा में अंतर	07
Unit II	2. **प्रातिनिधिक विधा विशेष :** कहानी संग्रह- बयान लेखिका चित्रा मुद्गल प्रकाशन-भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली **अध्ययनार्थ चयनित कहानियां** 1) डोमिन काकी 2) पहचान 3) ऐब 4) राक्षस 5) गणित 6) मिट्टी 7) नाम 8) गली	08
Unit III	3. **अध्ययनार्थ चयनित कहानियां** 9) शहर 10)सेवा 11) सेवक 12) रक्षक-भक्षक 13) व्यावहारिकता 14) पत्नी 15) पाठ 16) नसीहत	07

Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4 .1 मानवता 4 .2 दहेज की मानसिकता 4 .3 बालसंवेदना 4 .4 वर्गगत विषमता 4 .5 गरीबी की समस्या 4 .6 सामाजिक मानसिकता 4 .7 पारिवारिक लालसा की प्रवृत्ति 4 .8 दांपत्य जीवन की विडंबना 4 .9 मूल्य संवर्धन 4 .10 कहानियों की कहानी तत्त्वों के आधारपर समीक्षा	08
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• गुप्ता, डॉ. अरुणा, छ्ठे दशक की कहानी में जीवन मूल्य , इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली • गर्ग, लक्ष्मीनारायण, हिंदी कथा साहित्य में इतिहास, अभिनय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद • वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद • राय, डॉ. सूबेदार राय, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी का विकास , अनुभव प्रकाशन,कानपुर • पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली	

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSE - 615 (A) हिंदी पत्रकारिता

Credit : 4 | अंतर्गत परीक्षा : 40

कुल अंक : 100 | सत्रांत परीक्षा: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.हिंदी पत्रकारिता के इतिहास और विकास यात्रा पर प्रकाश डालना 2.आधुनिक काल में पत्रकारिता के अध्ययन का महत्त्व स्पष्ट करना 3. हिंदी पत्रकारिता की व्यापकता को बताना 4. पत्रकारिता में रोजगार के अवसर की संभावनाओं को बताना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.हिंदी पत्रकारिता के इतिहास और विकास यात्रा से परिचित होंगे 2.आधुनिक काल में पत्रकारिता के अध्ययन की महता से ज्ञात होंगे 3. हिंदी पत्रकारिता की व्यापकता से अवगत होंगे 4. पत्रकारिता में रोजगार के अवसर की संभावनाओं से परिचित होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1.पत्रकारिता की अवधारणा और स्वरूप, अर्थ, परिभाषा 1.2.पत्रकारिता के विविध माध्यम 1.3.पत्रकार के गुण और दायित्व 1.4. पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार- जन पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता, विचार पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, अपराध पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, युवा बाल एवं महिला पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, वेब पत्रकारिता	15
Unit II	2.1.हिंदी पत्रकारिता का उद्भव 2.2.हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा : प्रारंभिक युग, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, गांधी युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, राष्ट्रीय आंदोलन और पत्रकारिता	15
Unit III	3.1.समाचार संकलन व लेखन के सिद्धांत : समाचार व उसके अवयव, समाचार के स्त्रोत, समाचार एजेंसियाँ, संपादकीय, फीचर व रिपोर्तज लेखन, इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए लेखन 3.2.संपादन कला के सिद्धांत: शीर्षक , पृष्ठ विन्यास, प्रस्तुति प्रक्रिया, विभिन्न स्तंभों की योजन, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की योजना, प्रौद्योगिकी का प्रयोग	15
Unit IV	4.1.समकालीन पत्रकारिता : २१ वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियाँ एवं दायित्व 4.2.मीडिया और समाज भविष्यकालीन पत्रकारिता	15

• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ.केशवदत्त रूवाली, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा • मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली • मीडिया लेखन के सिद्धांत - एन.सी.पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली • मीडिया और हिंदी - सं. मधु खराटे, डॉ.हणमंत पाटील, राजेंद्र सोनवने, विद्या प्रकाशन, कानपुर • प्रयोजनमूलक हिंदी - हरिश, विश्वविद्यालय प्रकाशन, आगरा • उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श- सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • मीडिया और समाज - संजय गुलाठी, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर • मीडिया विमर्श (पत्रकारिता) - रामशरण जोशी, समय प्रकाशन, नई दिल्ली • हिंदी पत्रकारिता- डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र -भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली • पत्र और पत्रकार - प.कमलापति त्रिपाठी, ज्ञानमंडल पब्लिकेशन, वाराणसी • हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ.रमेशकुमार जैन, विकास प्रकशन, कानपूर • हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार, डॉ.ठाकुरदत्त शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • जनसंचार पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन • पत्र प्रकाशन और प्रक्रिया, शिवप्रसाद भारती, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी • हिंदी पत्रकारिता के नए प्रतिमान- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी- बच्चन सिंह

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSE - 615 (B) मीडिया लेखन

Credit : 4 | अंतर्गत परीक्षा : 40
कुल अंक : 100 | सत्रांत परीक्षा: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.हिंदी पत्रकारिता के इतिहास और विकास यात्रा पर प्रकाश डालना 2.आधुनिक काल में पत्रकारिता के अध्ययन का महत्त्व स्पष्ट करना 3. हिंदी पत्रकारिता की व्यापकता को बताना 4. पत्रकारिता में रोजगार के अवसर की संभावनाओं को बताना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.हिंदी पत्रकारिता के इतिहास और विकास यात्रा से परिचित होंगे 2.आधुनिक काल में पत्रकारिता के अध्ययन की महता से ज्ञात होंगे 3. हिंदी पत्रकारिता की व्यापकता से अवगत होंगे 4. पत्रकारिता में रोजगार के अवसर की संभावनाओं से परिचित होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1.पत्रकारिता की अवधारणा और स्वरूप, अर्थ, परिभाषा 1.2.पत्रकारिता के विविध माध्यम 1.3.पत्रकार के गुण और दायित्व 1.4. पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार- जन पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता, विचार पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, अपराध पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, युवा बाल एवं महिला पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता , वेब पत्रकारिता	15
Unit II	2.1.हिंदी पत्रकारिता का उद्भव 2.2.हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा : प्रारंभिक युग, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, गांधी युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, राष्ट्रीय आंदोलन और पत्रकारिता	15
Unit III	3.1.समाचार संकलन व लेखन के सिद्धांत : समाचार व उसके अवयव, समाचार के स्त्रोत, समाचार एजेंसियाँ, संपादकीय, फीचर व रिपोर्तज लेखन, इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए लेखन 3.2.संपादन कला के सिद्धांत: शीर्षक , पृष्ठ विन्यास, प्रस्तुति प्रक्रिया, विभिन्न स्तंभों की योजन, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की योजना, प्रौद्योगिकी का प्रयोग	15
Unit IV	4.1.समकालीन पत्रकारिता : 21 वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियाँ एवं दायित्व 4.2.मीडिया और समाज भविष्यकालीन पत्रकारिता	15

• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• हिंदी पत्रकारिता- डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र -भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली • हिंदी भाषा के सामायिक पत्रों का इतिहास - राधाकृष्ण दास • समाचार पत्रों का इतिहास - पं.अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी • पत्र और पत्रकार - प.कमलापति त्रिपाठी, ज्ञानमंडल पब्लिकेशन, वाराणसी • हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ.रमेशकुमार जैन, विकास प्रकशन, कानपूर • हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार, डॉ.ठाकुरदत्त शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता - डॉ.अर्जुन तिवारी • हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास- अनंत बिहारी माथुर • जन पत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसंपर्क- प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित • जनसंचार पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन • पत्र प्रकाशन और प्रक्रिया, शिवप्रसाद भारती, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी • हिंदी पत्रकारिता के नए प्रतिमान- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी- बच्चन सिंह

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN RP - 616 Research Project- I

Credit : 4 | अंतर्गत परीक्षा : 40
कुल अंक : 100 | सत्रांत परीक्षा: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	**1.अनुसंधान की साहित्यिक प्रविधि से परिचित करना 2.अनुसंधान की सोच और समझ को बढ़ावा देना 3.अनुसंधान के महत्त्व समझाना 4.अनुसंधान प्रस्ताव और परियोजना के निर्माण की विधि बताना**	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	**1.छात्र अनुसंधान की साहित्यिक प्रविधि से परिचित हो पाएंगे 2.अनुसंधान की सोच और समझ को बढ़ावा मिलेगा 3.अनुसंधान के महत्त्व समझ सकेंगे 4.अनुसंधान प्रस्ताव और परियोजना के निर्माण की विधि का ज्ञान होगा**	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
1	1. अनुसंधान विषय का चयन, शोध समस्या की पहचान, उद्देश्य, नमूना आकार और परिकल्पना 2.रूपरेखा की तयारी 3. साहित्य समीक्षा 4.ग्रंथसूची	60
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• पाण्डेय , डॉ. गणेश, शोध प्रविधि, राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली , प्र.सं.2010 • पाठक, डॉ. विनय कुमार, अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया, भावना प्रकाशन दिल्ली, प्र.सं.2005 • कोली, लक्ष्मीनारायण, रिसर्च मैथडोलॉजी, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली , प्र.सं.2005 • मिश्र, डॉ. राजेंद्र , अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया,तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2012 • अरोड़ा , डॉ. हरीश, शोध प्रविधि और प्रक्रिया,के.के. प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2011	

चतुर्थ सत्र
Semester IV

HIN DSC- 621 लोक साहित्य

Credit : 4 **अंतर्गत परीक्षा : 40**

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा: 60**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. लोकसाहित्य के स्वरूप को समझाते हुए उसके अध्ययन का महत्त्व स्पष्ट करना 2. लोकसाहित्य की विविध विधाओं के अध्ययन द्वारा लोकजीवन में उसकी व्यापकता को समझाना 3. लोकसाहित्य का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्त्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना 4. लोकसाहित्य के अध्ययन के माध्यम से उसके विभिन्न अंगों से परिचय प्राप्त करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. लोकसाहित्य के स्वरूप को समझाते हुए उसके अध्ययन का महत्त्व से ज्ञात होंगे 2. लोकसाहित्य की विविध विधाओं के अध्ययन द्वारा लोकजीवन में उसकी व्यापकता से अवगत होंगे 3. लोकसाहित्य के सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्त्व के अध्ययन के लिए प्रेरित होंगे 4. इस अध्ययन के माध्यम से लोकसाहित्य के विभिन्न अंगों से परिचय प्राप्त होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1'लोक' शब्द की व्याख्या, 1.2 लोकसाहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ 1.3 लोकसाहित्य का वर्गीकरण 1.4 लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य की तुलना 1.5 लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्व 1.6 लोकसाहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध - इतिहास, पुरातत्व, मानव-विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, धर्मशास्त्र	15
Unit II	2.1 लोकगीत- परिभाषा 2.2 लोकगीत के निर्माण तत्व 2.3 लोकगीत की विशेषताएँ 2.4 लोकगीतों का वर्गीकरण 2.5 लोकगीतों के प्रमुख प्रकार- सोहर, विवाह, गौना, कजली, होली, लोरी (लोकगीतों का सामान्य परिचय)	15
Unit III	3.1 लोकगाथा - लोकगाथाओं का वर्गीकरण 3.2 आल्हा, गोरा-बादल, भरथरी की लोकगाथा का सामान्य परिचय 3.3 लोककथा- लोककथा का स्वरूप 3.4 लोककथा का वर्गीकरण, 3.5 लोककथा की विशेषताएँ	15
Unit IV	4.1 लोकनाट्य - लोकनाट्य की विशेषताएँ 4.2 भारत के प्रमुख लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, भवई, यक्षगान , तमाशा, जत्रा, मॉच, नौटंकी (सामान्य परिचय) 4.3 प्रकीर्ण साहित्य- मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ, ढकोसला, मंत्र, टोना-	15

	टोटका	
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• भारतीय लोकसाहित्य - डॉ.श्याम परमार • लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय • लोकसाहित्य : सिध्दांत और प्रयोग - डॉ.श्रीराम शर्मा • लोकसाहित्य के प्रतिमान-डॉ. कुंदनलाल उप्रेति • लोकसाहित्य का अध्ययन- डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय • लोकसाहित्य विज्ञान- डॉ. सत्येंद्र • लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ. कुलदीप • लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि- डॉ. विद्या चौहान • हिंदी लोकसाहित्य शास्त्र, सिद्धांत और विकास- डॉ.अनुसया अग्रवाल, नीरज बुक सेंटर, दिल्ली • लोककथा परिचय- नलिन विलोचन शर्मा • लोककथा विज्ञान- श्रीचंद जैन • लोकधर्मी नाट्य परम्परा - डॉ. श्याम परमार • लोकनाट्य - परम्परा और प्रवृत्तियाँ - डॉ. महेंद्र भनवत • लोकसाहित्य शास्त्र - डॉ. नन्दलाल कल्ला, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर	

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSC- 622 हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Credit : 4 | **अंतर्गत परीक्षा : 40**

कुल अंक : 100 | **सत्रांत परीक्षा: 60**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को समझना 2.हिंदी भाषा के गठन और व्यवहार को समझना 3.देवनागरी लिपि का मानक रूप और उपादेयता को समझना 4.संगणक में हिंदी और देवनागरी लिपि के प्रयोग को जानना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को समझेंगे 2.हिंदी भाषा के गठन और व्यवहार को समझेंगे 3.देवनागरी लिपि का मानक रूप और उपादेयता को समझेंगे 4.संगणक में हिंदी और देवनागरी लिपि के प्रयोग को जानेंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1.प्राचीन भारतीय आर्य भाषा - वैदिक और लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय 1.2 मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ- (क) पाली (ख) प्राकृत- प्राकृत के प्रमुख भेद (ग) अपभ्रंश की विशेषताएँ	15
Unit II	2.1 हिंदी की बोलियाँ - वर्गीकरण 2.2 हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय निर्धारित बोलियाँ: खड़ी बोली, ब्रजभाषा,अवधी बोली, छत्तीसगढ़ी का साहित्यिक परिचय, ध्वन्यात्मक और रूपात्मक परिचय	15
Unit III	3.1 हिंदी शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय, समास का स्वरूप, भेद और उदाहरण 3.2 हिंदी भाषा का व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन एवं कारक का सोदाहरण परिचय	15
Unit IV	4.1 देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं परिभाषाएं 4.2 देवनागरी लिपि की विशेषताएँ 4.3 देवनगरी लिपि के सुधार के प्रयास 4.4 देवनागरी लिपि का मानक रूप 4.5 देवनागरी लिपि की त्रुटियाँ 4.6 संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि की उपादेयता	15
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - डॉ. उदय नारायण तिवारी • हिंदी भाषा का परिचय- बिंदु माधव मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली • हिंदी : उद्भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,	

	वाराणसी • भाषा विज्ञान -डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली • भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर • भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर • भाषा विज्ञान तथा समाज भाषा विज्ञान - डॉ.भाऊसाहेब परदेशी, डॉ.गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर • हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण - डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया • आधुनिक हिंदी विविध आयाम - डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSC- 623 हिंदी साहित्य का इतिहास- II

Credit : 4 | **अंतर्गत परीक्षा : 40**

कुल अंक : 100 | **सत्रांत परीक्षा: 60**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी देना 2.आधुनिक काल के गद्यकारों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय देना 3.आधुनिक काल की पद्य रचनाओं का परिचय देना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी होंगी 2.आधुनिक काल के गद्यकारों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय प्राप्त होंगा 3.आधनिक काल की पद्य रचनाओं से परिचित होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ - सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ एवं उनका साहित्य पर प्रभाव	15
Unit II	2.1 उपन्यास विधा का विकास - प्रेमचंदपूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग 2.2 कहानी विधा का विकास -स्वातंत्र्यपूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग 2.3 नाटक विधा का विकास - प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग 2.4 निबंध विधा का विकास - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग 2.5 गद्य की अन्य विधाओं का संक्षेप में परिचय: एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा, जीवनी, आत्मकथा, डायरी, व्यंग्य, साक्षात्कार आदि	15
Unit III	3.1 भारतेंदुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रातिनिधिक कवियों का संक्षेप में परिचय 3.2 द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रातिनिधिक कवियों का सक्षेप में परिचय 3.3 राष्ट्रीय और सांस्कृतिक काव्यधारा, प्रातिनिधिक कवियों का सक्षेप में परिचय 3.4 छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद की बृहदत्रयी ।	15
Unit IV	4.1 प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताएँ, प्रातिनिधिक कवियों का संक्षेप में परिचय 4.2 प्रयोगवाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रातिनिधिक कवियों का संक्षेप में परिचय 4.3 नई कविता : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रातिनिधिक कवियों का संक्षेप में परिचय 4.4. समकालीन कविता : प्रमुख प्रवृत्तियां, प्रातिनिधिक कवियों का संक्षेप में परिचय 4.5 गीत, ग़ज़ल और नवगीत का सामान्य परिचय	15

• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• हिंदी गद्य का उद्भव और विकास- डॉ.उमेश शास्त्री • हिंदी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य- रामरतन भटनागर • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक - डॉ. रीता कुमार • प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना • आधुनिक हिंदी साहित्य का विकास- डॉ. श्रीकृष्णलाल • हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी • आधुनिक साहित्य का इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह • हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी • हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ.सभापति मिश्र • हिंदी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी • हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. रमेशचंद्र तिवारी • नवगीत : संवेदन और शिल्प - डॉ. सत्येंद्र शर्मा • साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल - डॉ.मधू खराटे • हिंदी ग़ज़ल के विविध आयाम- डॉ. सरदार मुजावर

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSE- 624 (A) प्रयोजनमूलक हिंदी

Credit : 4 | **अंतर्गत परीक्षा** : 40

कुल अंक : 100 | **सत्रांत परीक्षा**: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.हिंदी एवं देवनागरी लिपि के बारे में जानना 2.पत्राचार के विविध रूपों से परिचय कराना 3. जनसंचार माध्यमों से अवगत कराना 4.अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.हिंदी एवं देवनागरी लिपि के बारे में जानेंगे 2.पत्राचार के विविध रूपों से परिचित होंगे 3. जनसंचार माध्यमों से अवगत होंगे 4.अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1 प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप एवं व्याख्या 1.2 प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ 1.3 प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता 1.4 प्रयोजनमूलक हिंदी बनाम व्यावहारिक हिंदी	15
Unit II	2.1 हिंदी के विभिन्न रूप - साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यमभाषा 2.2 देवनागरी लिपि की विशेषताएँ 2.3 देवनगरी लिपि के सुधार के प्रयास 2.4 देवनागरी लिपि का मानक रूप 2.5 देवनागरी लिपि की त्रुटियाँ 2.6 मानक वर्णमाला और मानक अंक	15
Unit III	3.1 पत्राचार के प्रकार - व्यापारिक पूछताछ पत्र, संदर्भ या परिचय पत्र, शिकायती पत्र, साख पत्र, आवेदन पत्र - छुट्टी के लिए आवेदन, नौकरी के लिए आवेदन, वेतन वृद्धि के लिए आवेदन, सरकारी पत्र कार्यालय आदेश 3.2 रिपोर्ट	15
Unit IV	4. 1 संगणक : परिचय, रूपरेखा, उपयोग, इंटरनेट संपर्क उपकरण, वेब पब्लिशिंग 4.2 अनुवाद : अनुवाद का स्वरूप, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद की प्रविधि, अनुवाद के प्रकार	15
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• पारिभाषिक शब्द संग्रह - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली • देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली • मानक हिंदी का स्वरूप — भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली • प्रशासन में राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली	

	• हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा - सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • मीडिया लेखन - रमेशचंद्र त्रिपाठी, पवन अग्रवाल, भारत प्रकाशन, दिल्ली • प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • प्रयोजनमूलक हिंदी - कमल बोस, क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली • प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 1से 3) डॉ.उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर • प्रयोजनमूलक हिंदी, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर • प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSE- 624 (B) अनुवाद विज्ञान

Credit : 4 | **अंतर्गत परीक्षा : 40**

कुल अंक : 100 | **सत्रांत परीक्षा: 60**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसाय के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना 2.अनुवाद के विभिन्न आयामों, विषयों तथा तद्विषयक प्रकार्यों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना 3.अनुवाद की उपयोगिता को उजागर करने के लिए अनुवाद प्रक्रिया के अनुप्रयोग को सिखाना 4.साहित्यिक अनुवाद के साथ ही विशिष्ट क्षेत्रों जैसे बैंक आदि में अनुवाद का प्रशिक्षण प्रदान करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. अनुवाद के सैद्धांतिकी की समुचित समझ निर्माण हो पाती है 2. अनुवाद विषय की महत्ता तथा उसके अनुप्रयोग का उचित ज्ञान मिल पाता है 3. अनुवाद के विभिन्न आयामों, विषयों तथा तद्विषयक प्रकार्यों का व्यावहारिक ज्ञान अर्जित होगा 4. अनुवाद कौशल प्राप्त होगा साथ ही अंतर-अनुशासनिक विषयों के अध्ययन का लाभ हो पाएगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1 अनुवाद का स्वरूप 1.2 अनुवाद की परिभाषाएं 1.3 अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष 1.4 अनुवादक के गुण	15
Unit II	2. अनुवाद के विविध प्रकार 2.1 भाषागत अभिव्यक्ति के आधार पर 2.2 विषय के आधार पर 2.3 अनुवाद की प्रकृति के आधार पर 2.4 माध्यम के आधार पर 2.5 साधन के आधार पर 2.2 अनुवाद और शैली विचार 2.3 हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद का योगदान	15
Unit III	3. 1 विविध क्षेत्रों में अनुवाद कार्य : प्रविधि और प्रक्रिया 3.1.1 कार्यालयी हिंदी और अनुवाद 3.1.2 जनसंचार माध्यमों में अनुवाद 3.1.3 वैचारिक साहित्य और अनुवाद 3.1.4 वाणिज्यिक क्षेत्र में अनुवाद 3.1.5 वैज्ञानिक, तकनिकी और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद	15

	3 .1.6 साहित्य की विविध विधाओं का अनुवाद 3.2 अनुवाद के लिए सहायक साधन 3.2.1 सहायक साधनों के उपयोग का महत्त्व, सावधानी एवं प्रविधि 3.2.2 कोश, विशेष संदर्भ ग्रन्थ 3.2.3 मशीन, संगणक आदि	
Unit IV	4. 1 साहित्यिक अनुवाद : स्वरूप और विशेषताएं 4.1.1 साहित्यिक अनुवाद का स्वरूप 4.1.2 अनुवाद की विविध समस्याएं 4.1.2.1 अनुवाद की अर्थपरक समस्याएं 4.1.2. 2 अनुवाद की शैलीपरक समस्याएं	15
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• अनुवाद विज्ञान, डॉ.भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली • अनुवाद कला : कुछ विचार, डॉ.आनंद प्रकाश खेमानी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • अनुवाद : सिद्धांत और आयाम, डॉ.त्रिभुवन राय, अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद • अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल,पब्ली.दिल्ली • अनुवाद भाषाएँ -समस्याएं , अय्यर एन.ई.विश्वनाथ, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली • अनुवाद सैद्धांतिकी, रीतारानी पालीवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा • अनुवाद :अवधारणा और आयाम, डॉ.सुरेश तायडे, डॉ.विजय लोहार, अथर्व प्रकाशन, जलगांव • अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार, डॉ.अम्बादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपूर	

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (एम.ए.II)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN RP-625 अनुसंधान परियोजना - II

Credit : 6 | अंतर्गत परीक्षा : 60
कुल अंक : 150 | सत्रांत परीक्षा: 90

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.अनुसंधान प्रस्ताव और परियोजना लेखन को जांचना 2.अनुसंधान परियोजना के गुण-दोषों का मूल्यांकन करना 3.अनुसंधान परियोजना की प्रस्तुति करवाना 4.अनुसंधान परियोजना का सबमीशन एवं अंक निर्धारण करना 5.छात्रों की अनुसंधान कार्य संबधी क्षमता की परख करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.अनुसंधान प्रस्ताव और परियोजना लेखन की जांच होगी 2.अनुसंधान परियोजना के गुण-दोषों का मूल्यांकन होगा 3.अनुसंधान परियोजना की प्रस्तुति होगी 4.अनुसंधान परियोजना का सबमीशन होगा एवं अंक दिए जायेंगे 5.छात्रों की अनुसंधान कार्य संबधी क्षमता की परख होगी	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.1 अनुसंधान परियोजना का सबमीशन, प्रस्तुति तथा मूल्यांकन	180
• संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• पाण्डेय , डॉ. गणेश, शोध प्रविधि, राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली , प्र.सं.2010 • पाठक, डॉ. विनय कुमार, अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया, भावना प्रकाशन दिल्ली, प्र.सं.2005 • कोली, लक्ष्मीनारायण, रिसर्च मैथडोलॉजी, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली , प्र.सं.2005 • मिश्र, डॉ. राजेंद्र , अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया,तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2012 • अरोड़ा , डॉ. हरीश, शोध प्रविधि और प्रक्रिया,के.के. प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2011	

हिंदी अध्ययन मंडल

नाम	पद	पता
डॉ.रोशनी पवार	अध्यक्ष	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.विजय लोहार	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.मनोज महाजन	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर	सदस्य	हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
डॉ.शाकीर शेख	सदस्य	अध्यक्ष, हिंदी विभाग, पूना कॉलेज, पुणे
डॉ.संजय रणखांबे	सदस्य	अण्णासाहेब डॉ.जी.डी.बेंडाळे महिला महाविद्यालय, जलगांव
श्री.युवराज माळी	सदस्य	अथर्व पब्लिकेशन, जलगांव
मुक्ति जैन	सदस्य	जलगांव